अगले सात वर्षों में ईवी होगी हर तीसरी नई कार

टाटा मोटर्स ने भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में खुद को अग्रणी कंपनी के तौर पर स्थापित किया है। कंपनी का कहना है कि जैसा कब्जा मोबाइल हैंडसेट बाजार पर विदेशी कंपनियों का है, कम से कम इलेक्ट्रिक वाहन या ईवी के मामले में वैसा बिल्कुल नहीं होने दिया जाएगा। कंपनी इस सोच को कैसे आगे बढ़ाएगी, इस बारे में टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल यूनिट के प्रेसिडेंट शैलेश चंद्रा ने दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता जयप्रकाश रंजन से बात की। पेश हैं प्रमुख अंश :

●क्या ईवी को लेकर ग्राहकों के विचार भी बदल रहे हैं?

- ईवी को लेकर ग्राहकों की जागरूकता एक बड़ा विषय है जिस पर कार कंपनियों के साथ ही सरकार को भी काम करना है। मोटे तौर पर जागरूकता बढ़ रही है। जिन ग्राहकों ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे हैं, वे सही मायनों में इस सेग्मेंट को लेकर दूसरे ग्राहकों की शंकाओं को खत्म कर रहे हैं। लोग उनके पास जाकर जानकारी और वास्तविक अनुभव ले रहे हैं। इससे भ्रांतियां धीरे-धीरे खत्म हो रही हैं। नई पीढ़ी के ग्राहक पर्यावरण को लेकर भी ज्यादा संवेदनशील हैं जिसका असर दिखने लगा है। हमारा मानना है, बड़ी संख्या में इन ग्राहकों की अगली कार ईवी ही होगी। टाटा मोटर्स का आतंरिक शोध बताता है जिन लोगों ने नेक्सान ईवी खरीदी है, उनमें से 60% लोग इसे प्रमुख कार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछले वर्ष ऐसे उपयोगकर्ता 35% थे।

●अगले पांच वर्षों में कंपनी ईवी बाजार में कहां होगी ?

- हम भारतीय ईवी बाजार की सबसे बड़ी कंपनी के तौर पर स्थापित हो चुके हैं। लगातार नए प्रोडक्ट्स लाते रहेंगे जो अत्याधुनिक होंगे और इनमें ग्राहकों की पसंद, सहूलियत व सुरक्षा का अधिक से अधिक ध्यान होगा। अगले पांच वर्षों में हमारे पास 10 नई ईवी की रेंज होगी, चार्जिंग सुविधा का पूरा नेटवर्क होगा जिसमें हमारी सहयोगी कंपनी टाटा पावर मदद कर रही है। हमने यह घोषणा की है कि कुल दो अरब डालर यानी लगभग 15,000 करोड़ का निवेश इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार विकसित करने के लिए किया जाएगा। एक और बड़ा बदलाव यह होगा कि हमारे वाहनों के ज्यादातर कलपुर्जे का निर्माण घरेलू स्तर पर ही होगा। उद्देश्य यही है कि भारत जिस गति और स्तर से हरित ईंधन की तरफ बढ़ रहा है, उसमें टाटा मोटर्स अहम भूमिका निभाए। सरकार ने आटोमोबाइल उद्योग के लिए जो रोडमैप निर्धारित किया है, उसके मुताबिक वर्ष 2030 तक भारत में सालाना 70 लाख कारें बिकेंगी। इसमें से 30 प्रतिशत यानी लगभग हर तीसरी कार इलेक्ट्रिक चालित होंगी।

●पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों का भविष्य क्या होगा?

- अभी कुछ समय तक दोनों तरह के वाहन एक साथ विस्तार करेंगे। बिजली चालित और इंटरनल कंबशन इंजन (पेट्रोल, डीजल या गैस चालित) वाहनों का बाजार एक साथ विकास करता रहेगा।